1

इकाई-1 : इतिहास (समकालीन विश्व-2)

खण्ड-I : घटनाएँ और प्रक्रियाएँ

यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय
[The Rise of Nationalism in Europe]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. नेपोलियन संहिता को 1804 का नागरिक संहिता भी कहा जाता है। यह संहिता 21 मार्च, 1804 को प्रकाशित हुई थी। इस संहिता ने फ्रांसीसी कानूनी प्रणाली को एकीकृत और आधुनिक बनाया।

उत्तर—2. निरंकुशवाद ऐसी सत्ता के सन्दर्भ में प्रयुक्त किया जाता है जो तानाशाही प्रवृत्ति वाली हो दूसरे अर्थ में निरंकुशवाद का अर्थ निर + अंकुश अर्थात् जिस पर कोई अंकुश या नियन्त्रण ना हो, यहाँ निरंकुशवाद शब्द का अर्थ वैसा शासन जिस पर कोई नियन्त्रण ना हो। एक पूर्ण राजनीतिक व्यवस्था में, एक एकल संप्रभु शासक या नेता के पास पूरे राष्ट्र पर शासन करने की अप्रतिबन्धित शक्ति होती है।

उत्तर—3. ब्रिटेन का राष्ट्रीय ध्वज 'यूनियन जैक' तथा राष्ट्रगान "गॉड सेव दम्बीन" है।

उत्तर—4. कार्टर प्रणाली, विभिन्न राष्ट्रों के बीच होने वाला समझौता था जिसका उद्देश्य पारस्परिक आर्थिक हितों की रक्षा करना तथा उन्हें प्रोत्साहन देना था।

उत्तर—5. रूमानी या स्वच्छन्दवाद या रोमानी काल जटिल साहित्यिक और बौद्धिक आन्दोलन है जो 18वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में यूरोप में शुरू हुआ।

उत्तर—6. 1871 ई. में जर्मनी का सम्राट विलयम प्रथम बना।

उत्तर—7. 1832 की सन्धि का नाम कॉन्स्टेंटिनोपल की सन्धि।

उत्तर—8. जॉलवेराइन एक जर्मन शुल्क संघ था। इसकी स्थापना विभिन्न राज्यों के बीच शुल्क अवरोधों को समाप्त करने के लिए की गई।

उत्तर—9. सरकार के राजतन्त्रीय स्वरूपों का विरोध करना था।

उत्तर—10. रक्त और लौह नीति का अभिप्राय युद्ध है।

उत्तर—11. जर्मनी के एकीकरण का जनक ओटोबॉन बिस्मार्क था।

उत्तर—12. मारीआना तथा जर्मेनिया द्वारा।

उत्तर—13. उन्नीसवीं सदी के मध्य में इटली सात राज्यों में बँटा हुआ था।

उत्तर—14. राष्ट्रीय एकता 19वीं शताब्दी में उदारवाद की विचारधारा से जुड़ी हुई थी।

उत्तर—15. 1870 में इटली का एकीकरण हुआ।

उत्तर—16. रूढ़िवाद एक राजनीतिक दर्शन है जो पारम्परिक मूल्यों और संस्थानों पर जोर देता है।

उत्तर—17. ग्रीक स्वतन्त्रता संग्राम।

उत्तर—18. ऑस्ट्रियाई चांसलर मेट्टर्निच ने।

उत्तर—19. राजशाही तथा निरंकुशता के खिलाफ वातावरण तैयार किया तथा स्वतन्त्रता, समानता और भाईचारे की अवधारणाओं को जन्म दिया।

उत्तर—20. यूरोपीय राष्ट्रवाद से आशय यूरोप में राष्ट्रवाद उदय सांस्कृतिक, जातीय और साथ ही राजनीतियों के परिणामस्वरूप हुआ जिसके कारण पूर्व बहुजातीय साम्राज्यों के स्थान पर राष्ट्र-राज्यों और नई राष्ट्रीय पहचानों का निर्माण हुआ।

उत्तर—21. विस्मार्क जर्मन का निवासी था। जर्मन में उसने अनेक जर्मन भाषी राज्यों का एकीकरण करके शक्तिशाली जर्मन साम्राज्य स्थापित किया।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 9 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 10 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 13 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 13 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 12-13 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 13-14 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 16 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 19 पर देखिए।

उत्तर—9. पृ.सं. 11 पर देखिए।

उत्तर—10. पृ.सं. 10-11 पर देखिए।

उत्तर—11. पृ.सं. 14 पर देखिए।

उत्तर—12. पृ.सं. 11-12 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 9-10 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 12 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 15 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 11 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 12 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 20 पर देखिए।

2 भारत में राष्ट्रवाद [Nationalism in India]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. महात्मा गाँधी जी दक्षिण अफ्रीका में हुए सत्याग्रह में नस्लभेद तथा रंगभेद को मिटाने के लिए शामिल हुए।

उत्तर—2. क्योंकि यह एक काला कानून था, इस कानून के अन्तर्गत किसी को भी बिना सुनवाई के लम्बे समय तक जेल में डाला जा सकता था।

उत्तर—3. सत्याग्रह आन्दोलन।

उत्तर—4. सविनय अवज्ञा आन्दोलन तथा चम्पाग्रह सत्याग्रह आन्दोलन। सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारम्भ होने के दो कारण हैं—

(1) नमक पर ब्रिटिश एकाधिकार के खिलाफ विरोध।

(2) अफीम की खेती की मजबूरी।

उत्तर—5. सन् 1905 में बंगाल का विभाजन हुआ।

उत्तर—6. बहिष्कार का अभिप्राय विरोधस्वरूप किसी निश्चित कम्पनी या देश की वस्तुओं या सेवाओं को खरीदना या उपयोग करना बन्द करना।

उत्तर—7. भारतीयों ने ब्रिटिश सरकार की एक पुलिस चौकी को आग लगा दी थी जिससे उसमें छुपे हुए 22 पुलिस कर्मचारी जिन्दा जल के मर गए थे।

उत्तर—8. साइमन कमीशन के गठन होने का कारण भारत में सरकारी प्रशासन की जाँच करना था।

उत्तर—9. महात्मा गाँधी ने गुजरात के खेड़ा जिले में किसानों को समर्थन देने के लिए सत्याग्रह को शुरू किया।

उत्तर—10. जलियाँवाला नरसंहार 13 अप्रैल सन् 1919 को हुआ था।

उत्तर—11. फरवरी 1922 में किसानों के एक समूह ने संयुक्त प्रान्त के गोरखपुर जिले में चौरी-चौरा में एक पुलिस थाने पर आक्रमण कर उसमें आग लगा दी। इस अग्निकांड में कई पुलिस वालों की जान चली गई। हिंसा की इस कार्यवाही से गाँधी जी को सत्याग्रह वापस लेना पड़ा।

उत्तर—12. ब्रिगेडियर जनरल रेगीनाल्ड डायर को।

उत्तर—13. अहिंसा और असहयोग पर आधारित सत्याग्रह।

उत्तर—14. 5 मार्च, सन् 1931 को।

उत्तर—15. रॉलेट एक्ट एक ऐसा कानून था जिसके अनुसार किसी भी व्यक्ति को बिना अभियोग चलाये अनिश्चित समय तक जेल में डाला जा सकता था।

उत्तर—16. चंपारण आन्दोलन।

उत्तर—17. खिलाफल आन्दोलन, असहयोग आन्दोलन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन।

उत्तर—18. क्योंकि साइमन कमीशन के गठन में कोई भारतीय प्रतिनिधि सदस्य सम्मिलित नहीं किया गया था।

उत्तर—19. बंकिमचन्द्र चटर्जी, यह बंकिमचन्द्र चटर्जी के उपन्यास 'आनन्द मठ' में संकलित है।

उत्तर—20. असहयोग आन्दोलन के विपरीत, सविनय अवज्ञा के समुदायों के बीच संदेह और अविश्वास का सामना करना पड़ा। सविनय अवज्ञा आन्दोलन में मुस्लिम भागीदारी का अभाव था।

उत्तर—21. विदेशी वस्तुओं का आयात आधा हो गया।

उत्तर—22. बाबा रामचन्द्र ने किया, अवध में आन्दोलन ताल्लुकेदारों, और जमींदारों के विरुद्ध आन्दोलन के रूप में विकसित हुआ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 28-29 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 29 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 29 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 30 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 30 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 30 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 29 पर देखिए।

उत्तर—8. साइमन कमीशन के मुख्य उद्देश्य—

(1) अंग्रेजों से सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया को व्यक्तियों तक पहुँचाने में देरी करने के लिए।

(2) द्विपदीय प्रावधानों द्वारा साम्प्रदायिक भावनाओं को व्यापक बनाने के लिए, जो दो समुदायों के हितों के विपरीत हो सकते हैं।

(3) व्यक्तियों को यह दिखाने के लिए कि व्यक्तियों को स्वशासन देने के प्रयासों में ब्रिटिश ईमानदार थे लेकिन यह भारतीय थे जो सत्ता-साझाकरण पर आम सहमति का फैसला नहीं कर सकते थे।

उत्तर—9. पृ.सं. 33-34 पर देखिए।

उत्तर—10. पृ.सं. 35 पर देखिए।

उत्तर—11. पृ.सं. 33 पर देखिए।

उत्तर—12. पृ.सं. 30 पर देखिए।

उत्तर—13. साहित्य ने राष्ट्रवाद के विकास करने में अहम भूमिका निभाई। पृ.सं. 36 पर देखिए।

उत्तर—14. (1) बहुत से लोग मारे गए और लाखों लोग घायल हुए।

(2) कई आधुनिक राष्ट्रों का जन्म हुआ।

(3) यूरोप के उपनिवेशों में स्वतन्त्रता आन्दोलन को जन्म दिया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 30 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 29 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 30-31 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 33 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 32-33 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 30-31 पर देखिए।

मानचित्र पर आधारित प्रश्न छात्र स्वयं करें।

3 भूमण्डलीकृत विश्व का बनना [The Making of a Global World]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, निवेश तथा सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से विश्व के विभिन्न देशों के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक व आर्थिक अन्तर्क्रिया व एकीकरण की प्रक्रिया को भूमंडलीकरण कहते हैं।

उत्तर—2. रेशम मार्ग प्राचीन काल और मध्य काल में ऐतिहासिक व्यापारिक-सांस्कृतिक मार्गों का एक समूह था, जिसके माध्यम से एशिया, यूरोप और अफ्रीका जुड़े हुए थे।

उत्तर—3. 1840 के दशक में।

उत्तर—4. जर्मन और पुर्तगाली।

उत्तर—5. ब्रिटिश सरकार को मकई (कॉर्न) के आयात को प्रतिबन्धित करने की अनुमति देने वाले कानून को कॉर्न लॉ के रूप में जाना जाता है।

उत्तर—6. भारत और चीन।

उत्तर—7. रिंडरपेस्ट (मवेशी प्लेग) मवेशियों, घरेलू भैंसों और गौर भैंस, बड़े हिरन, जंगली जानवरों कई अन्य प्रजातियों का एक संक्रमण वायरल रोग था।

उत्तर—8. अफ्रीका में एरिट्रिया पर हमला कर रहे इतालवी सैनिकों का पेट भरने के लिए एशियाई देशों से जानवर लाये जाते थे। यह बीमारी ब्रिटिश अधिपत्य वाले एशियाई देशों से आए उन्हीं जानवरों के जरिए पहुँची थी।

उत्तर—9. सत्रहवीं सदी में आये अंग्रेजों ने आम भारतीयों को एक-एक रोटी तक को मोहताज कर दिया। फिर उन्होंने गुलामी की शर्त पर लोगों को विदेश भेजना प्रारम्भ किया। इन मजदूरों को गिरमिटिया कहा गया।

उत्तर—10. गिरमिटिया।

उत्तर—11. 1940 में भारत में प्रसिद्ध था।

उत्तर—12. शिकारीपुरी श्रॉफ और नट्टूकोट्टई चेटियार।

उत्तर—13. कोलम्बस ने।

उत्तर—14. सांस्कृतिक विलय या आत्मसात्मीकरण में रस, संगीत, नृत्य, कला और दर्शन के माध्यम से आत्मा का सांस्कृतिक अभिव्यक्ति, किया जाता है जिसका उद्दीपन आध्यात्मिक और अद्वितीय तत्वों में होता है।

उत्तर—15. वर्ष 1929 की महामंदी का सबसे बुरा प्रभाव अमेरिका तथा भारत में पड़ा।

उत्तर—16. निरन्तर प्रवाह में मानकीकृत उत्पादों की पर्याप्त मात्रा का उत्पादन होता है, जिसमें विशेष रूप से असेम्बली लाइन शामिल है। वृहत उत्पादन के प्रमुख प्रणेता हेनरी फोर्ड थे।

उत्तर—17. विश्व बैंक और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष।

उत्तर—18. देशों और लोगों के बीच व्यापार, निवेश, यात्रा, लोक संस्कृति और अन्य प्रकार के नियमों से अन्तर्क्रिया।

उत्तर—19. वर्ष 1923 में विश्व को पूँजी देने वाला कर्जदाता देश अमेरिका था।

उत्तर—20. अमेरिका के 'एल डोरैडो' क्षेत्र को 'सोने का शहर' कहा जाता था।

उत्तर—21. दक्षिण अमेरिका के एक देश त्रिनिदाद में मनाए जाने वाले मुहर्रम के उत्सव को होसे (इमाम हुसैन के नाम पर) कहा जाता है।

उत्तर—22. वह जगह है जहाँ अर्द्ध-तैयार उत्पाद कार्य केन्द्र तक जाते हैं। अन्तिम असेंबली तैयार होने तक भागों को क्रम से जोड़ा जाता है।

उत्तर—23. विश्वयुद्ध और विश्वव्यापी संकट से जूझ रहे देशों की मदद करना था।

उत्तर—24. शुल्क और व्यापार पर सामान्य समझौते से व्यापारिक संगठन से विश्व व्यापार संगठन को प्रतिस्थापित किया गया।

उत्तर—25. विश्व व्यापार संघ की स्थापना 1995 में हुई।

उत्तर—26. ऊँची कीमतों के कारण मांस उत्पादों की माँग तथा उत्पादन कम रहता था।

उत्तर—27. व्यापार अधिशेष।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. प्र. नं. 5 अतिलघु का उत्तर देखिए तथा उसके बाद के उत्तर के लिए पृ.सं. 50 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 52 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 58 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 55 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 47 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 49 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 54 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 50 पर देखिए।

उत्तर—2. गिरमिटिया मजदूरों के विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद कई लोग धार्मिक परम्पराओं, भाषा और साम्प्रदायिक सम्बन्धों को बनाये रखने जैसी प्रथाओं के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक पहचान के तत्वों को बनाए रखने में कामयाब रहे। घनिष्ठ समुदायों की स्थापना ने सांस्कृतिक प्रथाओं को बनाए रखने में मदद की, जिससे भारतीय प्रवासियों के बीच एकजुटता की भावना को बढ़ावा मिला।

उत्तर—3. पृ.सं. 51-52 पर तथा 57 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 56 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 57 पर देखिए।

4 औद्योगीकरण का युग [Era of Industrialization]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. औद्योगीकरण को लोहा-इस्पात की रीढ़ माना जाता है।

उत्तर—2. स्टेपलर—ऐसा व्यक्ति जो रेशों के हिसाब से ऊन को 'स्टेपल' करता या छाँटता है। **कार्डिंग**—वह प्रक्रिया जिसमें कपास या ऊन आदि रेशों को कताई के लिए तैयार किया जाता है।

उत्तर—3. सर विलियम फेयर बेयर ने।

उत्तर—4. जेम्सवाट ने।

उत्तर—5. जेम्स हरग्रीव्स ने।

उत्तर—6. मैथ्यू बोल्टन और जेम्स वाट ने।

उत्तर—7. प्रौद्योगिकी की नई तकनीक आने से इंग्लैण्ड में महिलाएँ क्रोधित हुईं।

उत्तर—8. कर्जा या लगान वसूली करने में पूर्णतया सक्षम होते थे ऐसे लोगों को गुमास्ता कहा जाता है।

उत्तर—9. रेशम तथा कागज निर्माण।

उत्तर—10. नए युग का प्रतीक कपास को माना जाता है।

उत्तर—11. मुम्बई, कोलकाता और मद्रास।

उत्तर—12. यह कारीगरों और व्यापारियों का एक संघ है जो किसी विशेष क्षेत्र में अपने शिल्प/व्यापार के अभ्यास को देखता है।

उत्तर—13. 1854 में मुम्बई में।

उत्तर—14. अहमदाबाद, मुम्बई, कानपुर, कोयम्बटूर।

उत्तर—15. स्पिनिंग जेनी एक मल्टी-स्पिंडल स्पिनिंग फ्रेम है।

उत्तर—16. जॉबर प्रायः कोई पुराना और विश्वस्त कर्मचारी होता था। वह अपने गाँव से लोगों को लाता था, उन्हें काम का भरोसा देता था, उन्हें शहर में बसने के लिए सहायता करता था और मुसीबत में आर्थिक सहायता भी करता था।

उत्तर—17. फ्लाइंग शटल, मशीन जो स्वचालित बुनाई की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करती है।

उत्तर—18. सूरत बन्दरगाह।

उत्तर—19. भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (TTC)

उत्तर—20. ब्रिटिश कपास उद्योग अभी फैलना शुरू हुआ था और यूरोप में बारीक भारतीय कपड़ों की भारी माँग थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 69 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 69 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 77 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 73-74 पर देखिए।

उत्तर—5. बर्ड हींगलर्स एण्ड कम्पनी, एंड्रयूपूल और जार्डीन स्किनर एण्ड कम्पनी। आगे का उत्तर पृ.सं. 76 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 74 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 74-75 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 83 पर प्र. नं. 4 का उत्तर देखिए।

उत्तर—9. पृ.सं. 71-72 पर देखिए।

उत्तर—10. पृ.सं. 75 पर देखिए।

उत्तर—11. पृ.सं. 74 पर देखिए।

उत्तर—12. पृ.सं. 72 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 69 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 74-75 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 70 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 74-75 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 69-70 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 69 पर देखिए।

5 मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया [Print Culture and the Modern World]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. काशीबाबा ने।

उत्तर—2. महात्मा ज्योतिराव फुले।

उत्तर—3. यह जाति व्यवस्था के खिलाफ पहली रचना है यह रचना 16 भाग के निबन्ध और चार काव्य रचनाओं के माध्यम से जाति-संस्था की आलोचना करती है।

उत्तर—4. खुशनवीसी वे लोग होते हैं जो बहुत सुन्दर ढंग से चीजें लिखते हैं। अर्थात् सुन्दर लिखने की कला।

उत्तर—5. उनके शोषण की बात पर जनता विद्रोह न कर दे।

उत्तर—6. बंगाल गजट का।

उत्तर—7. 1810 में कलकत्ता/कोलकाता से।

उत्तर—8. वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट ने ब्रिटिश सरकार को समाचार-पत्रों में प्रकाशित होने वाले देशद्रोही लेखों को जब्त करने का अधिकार दे दिया।

उत्तर—9. मार्टिन लूथर किंग ने।

उत्तर—10. उलेमा से यह अपेक्षा की जाती थी कि वे शासन में शरिया का पालन करवायेंगे।

उत्तर—11. पुरुष प्रतिष्ठा के नाम पर महिलाओं को कैद में रखते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 89 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 91-92 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 93 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 95 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 86-87 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 91 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 93 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 94-95 पर देखिए।

उत्तर—9. पृ.सं. 92-93 पर देखिए।

उत्तर—10. पृ.सं. 92 पर देखिए।

उत्तर—11. पृ.सं. 92-93 पर देखिए।

उत्तर—12. पृ.सं. 96 पर देखिए।

उत्तर—13. पृ.सं. 92 पर देखिए।

उत्तर—14. पृ.सं. 90-91 पर देखिए।

उत्तर—15. पृ.सं. 90 पर देखिए।

उत्तर—16. पृ.सं. 92 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 100 पर प्र. नं. 3 का उत्तर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 101 पर प्र. नं. 1 का उत्तर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 102 पर प्र. नं. 3 का उत्तर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 102 पर प्र. नं. 4 का उत्तर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 87 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 93 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 89 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 92-93 पर देखिए।

उत्तर—9. पृ.सं. 94-95 पर देखिए।

उत्तर—10. पृ.सं. 93-94 पर देखिए।

उत्तर—11. पृ.सं. 93-94 पर देखिए।

इकाई-2 : (भूगोल) समकालीन भारत-2

1 संसाधन एवं विकास
[Resource and Development]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. हमारे पर्यावरण में मौजूद वे सभी वस्तुएँ, जिनका उपयोग मनुष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जाता है तथा जिनको उपयोग में लाने की प्रौद्योगिकी उपलब्ध है, वह संसाधन कहलाती है। उदाहरण के लिए चूल्हा—इसमें ईंधन के रूप में लकड़ी का प्रयोग करते हैं।

उत्तर—2. उत्पत्ति के आधार पर संसाधन दो प्रकार के होते हैं—

(1) जैव संसाधन—वे संसाधन जिनकी प्राप्ति जीवमण्डल से होती है और जिनमें जीवन व्याप्त है, जैव संसाधन कहते हैं। जैसे मनुष्य, वनस्पति जात, प्राणिजात।

(2) अजैव संसाधन—वे संसाधन अथवा सभी निर्जीव वस्तुएँ जो मानव के लिए उपयोगी है, अजैव संसाधन कहलाते हैं। जैसे—चट्टानें और धातुएँ।

उत्तर—3. वनस्पति और खनिज लवण।

उत्तर—4. (अ) भारत का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल लगभग 32·8 लाख वर्ग किमी है।

(ब) 54% प्रतिशत।

उत्तर—5. (1) जलोढ़ मृदा, (2) काली मृदा, (3) लाल और पीली मृदा, (4) लैटेराइट मृदा, (5) मरुस्थलीय मृदा, (6) वन मृदा।

उत्तर—6. मृदा बनाने की प्रक्रिया में मूल सामग्री, जलवायु, बायोटा (जीव), स्थलाकृति और समय।

उत्तर—7. मृदा निर्माण के गठन व संरचना शैल निक्षेप के खनिज एवं रासायनिक संयोजन पर निर्भर करती है।

उत्तर—8. (अ) काली मिट्टी (मृदा)

(ब) काली मिट्टी (मृदा) क्योंकि इसमें जलधारण करने की सर्वाधिक क्षमता होती है। काली मिट्टी बहुत जल्दी चिपचिपी हो जाती है तथा सूखने पर इसमें दरारें पड़ जाती हैं इसी गुण के कारण काली मिट्टी को स्वत: जुताई वाली मिट्टी कहा जाता है।

उत्तर—9. (अ) नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम तथा ह्यूमस की।

(ब) क्योंकि काली मिट्टी में नमी धारण करने की क्षमता है।

उत्तर—10. पवन अपरदन हवा द्वारा मिट्टी के परिवहन और जमाव की प्राकृतिक प्रक्रिया है तथा वर्षा के कारण मिट्टी की सतह पर पतली पर्तों का हट जाना चादर अपरदन है।

उत्तर—11. जल कटाव (रिल कटाव)

उत्तर—12. (1) पानी से लवणों की अतिरिक्त मात्रा को अतिरिक्त सिंचाई के द्वारा निकलना।

(2) लेटेराइट मिट्टी।

उत्तर—13. भूमि-निम्नीकरण के लिए दो मानव निर्मित कारक (घटक) औद्योगिक एवं खनन विधियाँ तथा दो प्राकृतिक कारक (घटक) वर्षा दोहन तथा भूस्खलन।

उत्तर—14. (1) वनारोपण करके।

(2) चरागाहों के उचित प्रबन्धन तथा पशुचारण नियन्त्रण से।

उत्तर—15. विशेष रूप से तटीय और शुष्क क्षेत्रों में मृदा को वायु अपरदन से रक्षा के लिए लगाए गए पेड़ों और झाड़ियों की पंक्तियाँ हैं। ये वृक्ष रेखाएँ भूमि के सभी भागों में वायु की गति को कम कर देती हैं और इस तरह यह वायु की मृदा कणों को उठाकर दूर ले जाने की क्षमता को भी कम कर देती है।

उत्तर—16. (i) समोच्च जुताई खेत की ढलान के समोच्च पर या उसके निकट की जाने वाली जुताई, रोपण और अन्य कृषि कार्यों की प्रथा है।

(ii) यह मिट्टी के कटाव को 50% तक कम करके, बहते पानी को नियन्त्रित करके, नमी की घुसपैठ और अवधारण को बढ़ाकर और इस प्रकार मिट्टी की गुणवत्ता और संरचना को बढ़ाकर फसलों पर बाढ़ तूफान और भूस्खलन के प्रभाव को कम करती है।

उत्तर—17. फसलों के बीच घास की पट्टियाँ उगाई जाती हैं। ये पवनों द्वारा जनित बल को कमजोर करती हैं। इस तरह की कृषि को पट्टी कृषि कहते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 107-108 पर देखिए।
उत्तर—2. पृ.सं. 108-109 पर देखिए।
उत्तर—3. पृ.सं. 113 पर देखिए।
उत्तर—4. पृ.सं. 112 पर देखिए।
उत्तर—5. पृ.सं. 110 पर देखिए।
उत्तर—6. पृ.सं. 110 पर देखिए।
उत्तर—5. पृ.सं. 109-110 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 110 पर देखिए।
उत्तर—2. पृ.सं. 111-113 पर देखिए।
उत्तर—3. पृ.सं. 111-113 पर देखिए।
उत्तर—4. पृ.सं. 106-107 पर देखिए।
उत्तर—5. पृ.सं. 109 पर देखिए।
उत्तर—6. पृ.सं. 108-109 पर देखिए।

2 वन एवं वन्य जीव संसाधन [Forest and Wildlife Resources]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. विविध प्रकार के वन एवं जीव-जन्तु की उपस्थिति को साधारण भाषा में जैव विविधता कहते हैं।

उत्तर—2. किसी क्षेत्र विषय में पाए जाने वाले पेड़-पौधे उस क्षेत्र की वनस्पति जात कहलाते हैं। किसी क्षेत्र विषय में पाए जाने वाले जीव-जन्तु उस क्षेत्र के प्राणीजात कहलाते हैं।

उत्तर—3. भारत की जैव विविधता के समय विश्व के जैव-समृद्ध राष्ट्रों में भारत का महत्त्वपूर्ण स्थान है और यहाँ पौधों व प्राणियों की व्यापक विविधता है जिनमें से अनेक प्रजातियाँ ऐसी हैं जो विश्व में कहीं और नहीं पाई जातीं।

उत्तर—4. इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन (IUCIV) प्रकृति संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के क्षेत्र में काम करने वाला एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है।

उत्तर—5. उत्तराखण्ड के वनों की सुरक्षा के लिए वहाँ के लोगों द्वारा 1970 के दशक में आरम्भ किया गया आन्दोलन है। यह आन्दोलन दर असल प्रकृति और मानव के बीच प्रेम का प्रतीक बना और इसे "चिपको" की संज्ञा दी गई।

उत्तर—6. IUCIV के अनुसार पौधों और प्राणियों को नौ जातियों में बाँटा गया है—विलुप्त, जंगल से विलुप्त, कमजोर, खतरे के करीब, कम-से-कम चिन्ता का विषय, डेटा की कमी तथा मूल्यांकन नहीं किया गया।

उत्तर—7. अवर्गीकृत वन से तात्पर्य उन वनों से होता है जो किसी आरक्षित या संरक्षित वर्ग की श्रेणी में नहीं आते। अर्थात् अन्य सभी प्रकार के वन और बंजर भूमि जो सरकार, व्यक्तियों और समुदायों के स्वामित्व में होते हैं अवर्गीकृत वन कहे जाते हैं।

उत्तर—8. इसमें स्थानीय लोगों की भागीदारी से वन संरक्षण तथा वन प्रबन्धन का संचालन किया जाता है, उसे संयुक्त वन प्रबन्धन कहते हैं। उस पहले राज्य का नाम उड़ीसा है, इसने 'संयुक्त वन प्रबन्धन, का प्रस्ताव पारित किया था।

उत्तर—9. टिहरी एशिया का सबसे बड़ा तथा विश्व का पाँचवा सर्वाधिक ऊँचा बाँध होने के कारण प्रसिद्ध है।

उत्तर—10. 'भेरोदेव डाक सेंचुरी' 1200 हेक्टेअर में फैली वन भूमि है। यह राजस्थान के अलवर जिले के 5 गाँव के बीच फैली हुई है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. ऐसा अभ्यारण्य या वन जहाँ जानवर या वन्य जीव बिना किसी भय के रहते हैं। वन्य जीव अभयारण्य पक्षियों, जानवरों, कीड़ों, सरीसृपों आदि को संरक्षित करता है, जबकि एक राष्ट्रीय उद्यान जीव-जन्तुओं वनस्पतियों, ऐतिहासिक वस्तुओं, परिदृश्य आदि को संरक्षित करता है।

उत्तर—2. संयुक्त वन प्रबन्धन वन संरक्षण और विकास के लिए आपसी विश्वास और संयुक्त रूप से परिभाषित भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के आधार पर सीमान्त वन समूहों और वन विभाग के बीच सम्बन्धों को विकसित करने की अवधारणा है। संयुक्त वन प्रबन्धन की शुरूआत 1988 में ओडिशा में हुई।

उत्तर—3. वन्य जन्तुओं के लिए आरक्षित क्षेत्र जहाँ वे स्वतन्त्र रूप से आवास और प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं।

उत्तर—4. पृ.सं. 123-124 पर प्र. 4 का उत्तर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 120 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. वन संरक्षण का अर्थ है वनों का विवेकपूर्ण उपयोग और वन क्षेत्र की वृद्धि करना आगे के उत्तर के लिए पृ.सं. 121-122 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 119-120 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 119-120 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 120-121 पर देखिए।

3 जल संसाधन [Water Resources]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. जल संसाधन तीन प्रकार के होते हैं—भू-जल संसाधन, सतही जल संसाधन, खारे पानी के संसाधन।

उत्तर—2. (i) माँग की तुलना में जल की कमी को जल-दुर्लभता कहते हैं।

(ii) बीकानेर और बाड़मेर।

उत्तर—3. जलीय चक्र वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा दुनिया का पानी झीलों, नदियों, वायुमंडल, महासागरों और भूमि के बीच चलता है।

उत्तर—4. जलीय चक्र प्रकृति में जल का सन्तुलन कायम रखने में सहायक है।

उत्तर—5. वह जलराशि जो भू-सतह की ऊपरी परत से टिस-टिस कर अंत-स्रवण क्रिया द्वारा मृदा की परत में फिर उससे नीचे अवमृदा परत में तथा उसके नीचे अधस्थ: शैल परत में जमा रहती है वह भोम जल (भूमिगत जल) कहलाता है।

उत्तर—6. (1) जल-विद्युत शक्ति का उत्पादन करना।

(2) सिंचाई हेतु नहरों का निर्माण एवं विकास करना।

उत्तर—7. दामोदर नदी को शोक नदी (बंगाल का शोक) कहते हैं।

उत्तर—8. (1) दक्षिण भारत में अधिकांश तालाब पक्के हैं। ये उन्नत अवस्था में हैं।

(2) इन तालाबों में वर्ष भर जल आपूरित रहता है।

उत्तर—9. पश्चिमी हिमाचल में पर्वतीय इलाकों वाहिकाओं को गुल अथवा कुल कहते हैं।

उत्तर—10. 'खादीन' राजस्थान में जल संरक्षण का सबसे बहुउद्देश्यीय तरीका है। जोहड़ मूलत: एक छोटा मिट्टी का चेक डैम होता है, जिसे वर्षा जल को एकत्र करने और संरक्षित करने के लिए बनाया जाता है।

उत्तर—11. सरदार सरोवर बाँध गुजरात के नवागाम के पास नर्मदा नदी पर बनाया गया है। यह बाँध असेवित क्षेत्रों और किसानों को भी बिजली प्रदान करता है तथा सिंचाई और पीने के लिए पानी उपलब्ध कराता है।

उत्तर—12. मेघालय।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. जल संसाधन पानी के वह स्रोत हैं जो मनुष्य के लिए उपयोगी हों या जिसके उपयोग की सम्भावना हो।

उत्तर—2. जब झीलों, नहरों, समुद्र तथा अन्य जलनिकायों में विषैले पदार्थ प्रवेश करते हैं यह इनमें घुल जाते हैं अथवा पानी में पड़े रहते हैं या नीचे इकट्ठे हो जाते हैं जिसके कारण जल-प्रदूषण हो जाता है।

उत्तर—3. देश में बढ़ती नलकूप आबादी और घटती औसत वार्षिक वर्षा।

उत्तर—4. पृ.सं. 130 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 126 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 130 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 2 लघु का उत्तर तथा आगे के उत्तर के लिए पृ.सं. 132 देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 127 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 128 पर देखिए।

उत्तर—4. हिमालय की नदियाँ सदानीरा हैं क्योंकि हिमालय की नदियाँ प्रकृति में बारहमासी हैं अर्थात् इस नदियों में पूरे वर्ष पानी बहता रहता है। ये नदियाँ मानसून और हिम-पिघल दोनों से जल प्राप्त करती हैं। जबकि प्रायद्वीपीय नदियाँ केवल वर्षा से ही जल प्राप्त करती हैं और केवल वर्षा ऋतु में ही इन नदियों में जल प्रवाह होता है। इसलिए ये नदियाँ मौसमी या गैर बारहमासी हैं।

उत्तर—5. पृ.सं. 130 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 131 पर देखिए।

4 कृषि [Agriculture]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. भूमि की जुताई कर फसल उत्पन्न करने और पशुपालन कला को कृषि कहा जाता है।

उत्तर—2. इस प्रकार की कृषि को कर्तन दहन प्रणाली के नाम से जाना जाता है। किसान भूमि के टुकड़े साफ करके उस पर अपने परिवार का भरण-पोषण के लिए अनाज व अन्य खाद्य फसलें उगाते हैं।

उत्तर—3. किसान भूमि के टुकड़े को साफ करके उस पर अनाज तथा अन्य खाद्य फसलें उगाते हैं।

उत्तर—4. आत्मनिर्वाह या जीविका कृषि छोटे स्तर की कृषि है। आत्मनिर्वाह वह है जहाँ पर कृषि सिर्फ अपने परिवार या निकट परिवार के खाने-पीने के लिए की जाती है।

उत्तर—5. गहन जीविका कृषि एक श्रम गहन खेती है जो भूमि पर जनसंख्या के अधिक दबाव वाले क्षेत्रों में की जाती है।

उत्तर—6. (1) फलियाँ होने के कारण दालें वायुमंडलीय नाइट्रोजन को मिट्टी में स्थिर करती हैं।

(2) वे फसल चक्र, मिश्रित और अन्तर फसल में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि वे मिट्टी की उर्वरता बनाये रखने में मदद करते हैं।

उत्तर—7. फसलें होने के नाते अरहर को छोड़कर अन्य सभी दालें वायु से नाइट्रोजन लेकर भूमि की उर्वरता को बनाए रखती हैं। अत: इन फसलों को आमतौर पर अन्य फसलों के आवर्तन में बोया जाता है।

उत्तर—8. भारत की सबसे महत्त्वपूर्ण तिलहन फसल तिल है। इसके प्रमुख उत्पादक राज्य महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, आन्ध्र प्रदेश और राजस्थान हैं।

उत्तर—9. क्योंकि इनकी कोमल पत्तियों को विकास के लिए इसकी आवश्यकता होती है।

उत्तर—10. पौधों की कृषि का क्षेत्र जो फलों, सब्जियों और सजावटी पौधों जैसी उद्यान फसलों पर केन्द्रित होता है उसे बागवानी फसलें कहते हैं।

उत्तर—11. रेशम के कीड़ों को पालने और उनसे रेशम निकालने की प्रक्रिया रेशम उत्पादन है।

उत्तर—12. शुष्क भूमि कृषि या बारानी खेती सिंचाई किये बिना ही कृषि करने की तकनीक है।

उत्तर—13. (1) यह कृषि 150-200 सेमी वर्षा वाले क्षेत्रों में की जाती है।

(2) इस कृषि में ऐसी फसलें उत्पन्न की जाती हैं जिनके लिए अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है जैसे चावल, चाय, रबड़।

उत्तर—14. (1) यह वाणिज्यिक प्रकार की कृषि है, जो विस्तृत क्षेत्रों पर की जाती है।

(2) यह कृषि मध्य अक्षांक्षों के आन्तरिक अर्धशुष्क प्रदेशों में की जाती है।

उत्तर—15. प्र.नं. 10 का उत्तर अतिलघु उत्तरीय में देखिए।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 144 पर देखिए।

उत्तर—2. गहन कृषि वह कृषि होती है जहाँ छोटे से खेतों में कृषि की जाती है विस्तृत कृषि वह खेती होती है जहाँ जनसंख्या अधिक हो तथा भूमि भी ज्यादा हो।

उत्तर—3. यह ग्रामीण कृषि और गैर-कृषि श्रमिकों को रोजगार के अवसर प्रदान करता है। यह भोजन और चारे का स्रोत है। यह अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में आयात और निर्यात गतिविधियों में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उत्तर—4. छोटे जोते कृषि की तुलना में बड़े जोतों में कृषि के आधुनिक साजो-समान लगते हैं।

उत्तर—5. उपयुक्त नमी की कमी, असमय बुआई, अनुचित बुआई की विधियाँ, असंतुलित उर्वरक और खरपतवार नियंत्रण।

उत्तर—6. (1) भारत में लगभग 2/3 लोगों की जीविका कृषि पर आधारित है।

(2) यहाँ की कृषि मुख्यत: मानसून पर आधारित है।

(3) कृषि की आन्तरिक एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका है।

(4) राष्ट्रीय आय का 24% भाग कृषि से ही प्राप्त होता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 138-139 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 139 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 137-138 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 144 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 142 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 143 पर देखिए।

5 खनिज तथा ऊर्जा संसाधन [Minerals and Energy Resources]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. खनिज संसाधन ठोस पदार्थों की उपस्थिति या सांद्रता है जिनका महत्वपूर्ण मौद्रिक मूल्य होता है और पृथ्वी की पपड़ी से प्राप्त किया जा सकता है।

उत्तर—2. खनिज दो प्रकार के होते हैं—धात्विक और अधात्विक। धात्विक खनिज दो के नाम—मैंगनीज, लौह अयस्क।

उत्तर—3. अभ्रक के दो उपयोग—(1) विद्युत उद्योग में होता है।

(2) मेकअप और विभिन्न सौन्दर्य प्रसाधनों में होता है।

उत्तर—4. (1) घाव को भरने में मैंगनीज का प्रयोग किया जाता है।

(2) एनीमिया को कम करने में महत्वपूर्ण होता है।

उत्तर—5. कर्नाटक में।

उत्तर—6. बलुआ पत्थर और ग्रेनाइट।

उत्तर—7. कोयला और पेट्रोलियम।

उत्तर—8. (1) खनिज सम्पदा का नियन्त्रित उपयोग किया जाए।

(2) कोयला, पेट्रोल आदि खनिज ईंधनों का प्रयोग कम किया जाए।

उत्तर—9. ऐसे संसाधन जिनका उपयोग ऊर्जा उत्पन्न करने में किया जाता है उन्हें ऊर्जा संसाधन कहते हैं।

उत्तर—10. खाना पकाने, पानी की सफाई, कृषि, शिक्षा, परिवहन, रोजगार सृजन एवं पर्यावरण को बचाये रखने जैसे दैनिक गतिविधियों में ऊर्जा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उत्तर—11. जीवाश्म ईंधन अर्थात् कोयला, तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम।

उत्तर—12. हवा, सूरज की रोशनी।

उत्तर—13. यूरेनियम, अभ्रक, मैंगनीज, कोयला।

उत्तर—14. (1) यह ऊर्जा का एक प्राकृतिक टिकाऊ नवीकरणीय स्रोत है।

(2) इस ऊर्जा का उपयोग बिजली उत्पन्न करने के लिए किया जाता है।

उत्तर—15. ऐसे खनिज जिसमें लौह धातु के अंश होते हैं, लौह खनिज कहलाते हैं—जैसे—निकिल, मैंगनीज।

उत्तर—16. बायोगैस (मीथेन या गोबर गैस) मवेशियों के उत्सर्जन पदार्थों को कम ताप पर डाइजेस्टर में चलाकर माइक्रोब उत्पन्न करके प्राप्त की जाती है।

उत्तर—17. जल-विद्युत में एक बड़े जगह पर डैम बनाकर बारिश के पानी को संग्रहीत किया जाता है। संग्रहीत पानी को ऊँचाई से टरवाइन पर गिराया जाता है जिसके कारण टरबाइन घूमता है और बिजली का उत्पादन होता है। ताप विद्युत में कोयला जलाकर पानी को भाप में बदला जाता है, इससे बिजली का उत्पादन होता है।

उत्तर—18. रैट-हाल खनन या रैट माइनिंग कोयला निकालने के लिए उत्तर-पूर्व भारत में अपनाई जाने वाली खुदाई की एक प्रक्रिया है।

उत्तर—19. एच. वी. जे. (हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर) पाइपलाइन भारत की पहली क्रॉस-स्टेट गैस पाइपलाइन है।

उत्तर—20. ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा का उत्पादन है। ऊर्जा के संरक्षण व इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए विभाग के प्रत्येक कर्मचारी को जागरुक रहने के साथ-साथ दूसरे को भी जागरुक करने की जरूरत है।

उत्तर—21. प्लेसर निक्षेप या "प्लेसर्स" मूल्यवान-खनिजों का संग्रह है जो स्वाभाविक रूप से अतिसार, धरा तलछट या समुद्र तट सामग्री में सांद्रित है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 158-159 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 159 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 158-159 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 152-154 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 154 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 150 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 158-160 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 159 पर देखिए।

उत्तर—9. पृ.सं. 158-159 पर देखिए।

उत्तर—10. पृ.सं. 152-153 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 152 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 150 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 151 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 151-155 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 159 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 157-158 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 156 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 157-158 पर देखिए।

उत्तर—9. पृ.सं. 157-158 पर देखिए।

6 विनिर्माण उद्योग [Manufacturing Industry]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. प्राथमिक उत्पादों का मशीनों की सहायता से रूप बदलकर इनसे अधिक उपयोगी तैयार माल प्राप्त करने की प्रक्रिया को विनिर्माण उद्योग कहा जाता है।

उत्तर—2. भारत सूत का निर्यात जापान को करता है तथा सूती वस्त्रों का निर्यात अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस, पूर्वी, यूरोप, नेपाल, सिंगापुर, श्रीलंका तथा अफ्रीका को।

उत्तर—3. अकार्बनिक रसायनिक उद्योग के अन्तर्गत सल्फ्यूरिक अम्ल, नाइट्रिक अम्ल, क्षार, सोडा, ऐश, कास्टिक सोडा उद्योग शामिल है।

उत्तर—4. कार्बनिक रासायनिक उद्योगों के अन्तर्गत पेट्रोल सम्मिलित है, जो कृत्रिम वस्त्र, कृत्रिम रबड़, प्लास्टिक, रंजक पदार्थ, दवाइयाँ औषद्य रसायनों के बनाने में प्रयोग किये जाते हैं।

उत्तर—5. पटसन (जूट) उत्पादक क्षेत्रों से निकटता, सस्ता जूट यातायात, रेल और सड़क का अच्छा जाल, जूट के परिष्करण के लिए प्रचुर मात्रा में जल और पश्चिमी बंगाल, बिहार, उड़ीसा और उत्तर प्रदेश से मिलने वाले सस्ते मजदूर। इसलिए पटसन (जूट) उद्योग मुख्य रूप से हुगली नदी के तटवर्ती भागों में स्थित है।

उत्तर—6. वस्त्र उद्योग भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 2% और देश के निर्यात लाभ का 12% प्रदान करता है। रोजगार सृजन: कुल कार्यबल के 21% से अधिक को रोजगार प्रदान करने वाला यह क्षेत्र लाखों लोगों को आजीविका प्रदान करता है।

उत्तर—7. क्योंकि आधुनिक तकनीक का उपयोग ना करके परम्परागत तकनीक का उपयोग करना तथा सरकारों द्वारा लौह-इस्पात उद्योग की तरफ ध्यान न देना या बजट ना देना।

उत्तर—8. नगरीय केन्द्रों द्वारा दी गई सुविधाओं के कारण बहुत से उद्योग नगर केन्द्रों के समीप ही केन्द्रित हो जाते हैं। इनको समूहन बचत कहा जाता है।

उत्तर—9. (i) डेटा संग्रह और विश्लेषण की व्यवस्था के कारण।

(ii) ब्रॉडबेड सूचना सेवाओं और इंटरेक्टिव मनोरंजन के कारण।

उत्तर—10. क्योंकि गन्ने में सुक्रोज होता है और एक बार जब गन्ना कट जाता है तो सुक्रोज की मात्रा कम होने लगती है, इसलिए चीनी मिलें गन्ने के खेतों के पास होती हैं।

उत्तर—11. लकड़ी के फाइबर का।

उत्तर—12. सॉफ्टवेयर प्रोद्योगिकी पार्क इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रोद्योगिकी मन्त्रालय के तहत एक स्वायत्त सोसाइटी है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 167 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 166 पर देखिए।

उत्तर—3. रेशम उत्पादन में भारत विश्व में दूसरे नम्बर पर है। भारत कच्चे रेशम, प्राकृतिक रेशम के धागे, कपड़े और बने-बनाए कपड़े, रेशम के हथकरघा उत्पादों का निर्यात करता है। रेशम उत्पादन शिक्षित बेरोजगार युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में स्वरोजगार के अवसर प्रदान करता है।

उत्तर—4. कृषि का उत्पाद उद्योग का कच्चा माल है। उद्योग से भी कृषि को नई तकनीक, खाद व उपकरण प्राप्त होता है। दोनों के बिना एक दूसरे का काम चलना असम्भव है।

उत्तर—5. पृ.सं. 168 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 171 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 168-169 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 172 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 168 पर देखिए।

उत्तर—4. भारत में रेलवे सम्बन्धित उपकरणों को बनाने में आत्मनिर्भरता प्राप्त कर ली गयी है। इससे सम्बन्धित पहली कम्पनी झारखण्ड के सिंह भूमि जिले में 'पेनिन्सुलर लोकोमोटिव कम्पनी' के नाम से 1921 में स्थापित की गयी थी। रेल की पटरियों का निर्माण स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया, इण्डियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी तथा टाटा आयरन एण्ड-स्टील कम्पनी द्वारा किया है।

उत्तर—5. पृ.सं.169 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं.169 पर देखिए।

7 राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ [Life Lines of the National Economy]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. परिवहन वस्तुओं और लोगों को सुविधाजनक और कुशल तरीके से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने की अनुमति देता है। यह राष्ट्रों के बीच व्यापार को सुविधाजनक बनाता है, भोजन या ईंधन जैसे संसाधन तक आसान पहुँच की अनुमति देता है।

उत्तर—2. रेल, बस, कार, बस, हवाई जहाज।

उत्तर—3. यह एक-दूसरे से जुड़ने और विचार साझा करने में मदद करता है, समय की बर्बादी कम होती है। ज्ञान के आधार को विकसित करने में मदद करता है।

उत्तर—4. इन्टरनेट, सोशल मीडिया, टेलीफोन, रेडियो और टेलीविजन।

उत्तर—5. जनसंचार संचार के एक ऐसे तरीके को सन्दर्भित करता है जो हमें बड़ी संख्या में लोगों के साथ जानकारी प्रदान करने या आदान-प्रदान में मदद करता है।

उत्तर—6. रेलवे लोगों और सामानों को लम्बी दूरी तक तेजी से तथा सस्ते में पहुँचाता है।

उत्तर—7. (1) मध्य रेलवे—मुख्यालय—मुम्बई टर्मिनल।

(2) उत्तर रेलवे—मुख्यालय—दिल्ली।

(3) पूर्वोत्तर रेलवे—मुख्यालय—गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)

उत्तर—8. एक्सप्रेस राष्ट्रीय राजमार्ग, एक राज्य को दूसरे राज्य से जोड़ने वाला राजमार्ग होता है, यह राजमार्ग विशेष रूप से उच्च गति वाले यातायात के लिए योजनाबद्ध है।

उत्तर—9. दिल्ली (उत्तर), चेन्नई (दक्षिण), कोलकाता (पूर्व) तथा मुम्बई (पश्चिम)।

उत्तर—10. (1) प्राकृतिक आपदाओं, युद्धों और अन्य आपात स्थितियों के समय बेहद उपयोगी होते हैं।

(2) दुर्गम स्थानों पर पहुँचने के उत्तम साधन।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का उद्देश्य अपने आप में डिजिटल साक्षरता, डिजिटल प्लेट फार्म पर ध्यान केन्द्रित करके भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज के रूप में परिवर्तित करता है।

उत्तर—2. पृ.सं. 187-188 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 181 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 184-185 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 185-186 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 183-184 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 184 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 183 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. स्वतन्त्रता प्राप्ति से पूर्व का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार देश के हित में इसलिए नहीं था क्योंकि उस समय ब्रिटेन सरकार के हाथों में देश की बागडोर थी, वह भारत में बनी वस्तुओं का स्वयं कम कीमत पर व्यापार करते थे, तथा अपना माल उच्च दामों पर बेचते थे।

उत्तर—2. राष्ट्रीय महामार्ग केन्द्रीय सरकार द्वारा संस्थापित और सम्भाले जाने वाली लम्बी दूरी की सड़कें हैं जबकि मार्ग आम जन के लिए होते हैं।

उत्तर—3. पृ.सं. 181-182 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 187 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 187 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 186 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 182 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 187 पर देखिए।

इकाई-3 : नागरिकशास्त्र (लोकतान्त्रिक राजनीति-2)

1 सत्ता की साझेदारी [Power Sharing]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. लेबनान और श्रीलंका

उत्तर—2. सत्ता के क्षैतिज विभाजन का तात्पर्य सत्ता के उस बंटवारे से है जो सरकार में मौजूद विभिन्न अंगों के बीच होता है।

उत्तर—3. सत्ता का ऊर्ध्वाधर विभाजन तब होता है जब जिम्मेदारियों को सरकार के उच्च और निम्न स्तर के बीच विभाजित किया जाता है।

उत्तर—4. चार बार।

उत्तर—5. आधिकारिक नाम श्रीलंका समाजवादी जनतान्त्रिक सरकार का।

उत्तर—6. डच समूह की।

उत्तर—7. फ्रेंच भाषी लोग।

उत्तर—8. श्रीलंका।

उत्तर—9. विभिन्न समुदायों के द्वारा।

उत्तर—10. जब किसी शासन व्यवस्था में हर सामाजिक समूह और समुदाय की भागीदारी सरकार में होती है तो इसे सत्ता की साझेदारी कहते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 196 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 193 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 193 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 194 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 194 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 199 पर प्र.नं. 1 का उत्तर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 194 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 193-194 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 196 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 196 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 197 पर देखिए।

2 संघवाद [Federalism]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. अवशेष शक्तियाँ उन शक्तियों को कहा जाता है जिनका उल्लेख संविधान के किसी भी विषय में अभी बाकी है।

उत्तर—2. 22 भाषाओं को।

उत्तर—3. भारत की वर्तमान पंचायती राज व्यवस्था 73वाँ संवैधानिक संशोधन पर आधारित है।

उत्तर—4. निर्धारित सीमा के भीतर प्रयोग की गई आधिकारिक शक्ति पर लागू क्षेत्र, अधिकार क्षेत्र कहा जाता है।

उत्तर—5. जो विषय संविधान में उल्लिखित सूचियों में शामिल नहीं है उन्हें अवशिष्ट विषय कहा जाता है।

उत्तर—6. जन स्वास्थ्य, पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था, औषद्यालय और अस्पताल।

उत्तर—7. संघवाद में दो प्रकार की सरकारें होती हैं, राज्य सरकारें तथा केन्द्रीय सरकार।

उत्तर—8. संघ सूची, राज्य सूची तथा समवर्ती सूची।

उत्तर—9. ग्राम पंचायत, पंचायत समिति तथा जिला परिषद।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 205 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 209-210 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 210 पर देखिए।

उत्तर—4. संघ सूची में दिए गए विषय पर केन्द्र सरकार कानून बनाती है, संविधान के लागू होने के समय इनमें 97 विषय थे, वर्तमान में इसमें 100 विषय हैं। जबकि राज्य सूची में दिए गए विषय पर राज्य सरकार कानून बनाती है, राष्ट्रीय हित में सम्बन्धित होने पर केन्द्र सरकार भी कानून बना सकती है।

उत्तर—5. पृ.सं. 210 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 208 पर देखिए।

उत्तर—7. भारतीय राज्यों को केन्द्र सरकार से अलग होने का अधिकार प्राप्त नहीं है क्योंकि भारत को बनाते समय संविधान निर्माताओं ने भारत के अनुच्छेद 1 के अन्तर्गत स्पष्ट कर दिया है कि राज्य है तो सही, पर संघ प्रमुख होगा।

उत्तर—8. पृ.सं. 209 पर देखिए।

उत्तर—9. पृ.सं. 210 पर देखिए।

उत्तर—10. पृ.सं. 210 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 209-210 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 210 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 204 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 204 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 205 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 205-206 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 209-210 पर देखिए।

3 जाति, धर्म और लैंगिक मसले [Caste, Religion and Sexual Issues]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. मुस्लिम लीग, अकाली दल, हिन्दू महासभा।

उत्तर—2. राजा राममोहन राय, ईश्वर चन्द्र विद्यासागर।

उत्तर—3. 'पितृसत्तात्मक समाज एक ऐसी प्रणाली है जो महिलाओं की तुलना में पुरुषों को अधिक महत्व देती है।

उत्तर—4. (1) लोगों में साम्प्रदायिकता के कारण आपसी वैमनस्व उत्पन्न होता है।

(2) भाई-चारे की भावना खत्म होती है।

उत्तर—5. क्योंकि यहाँ स्वास्थ्य और शिक्षा की मौलिक सुविधाएँ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

उत्तर—6. धर्म एक शाश्वत और पवित्र राजनीति ही है। इसमें सांस्कृतिक सद्भाव, संस्कार और सार्वभौमिकता होती है जबकि राजनीतिक दल जो सत्ता में आते हैं जिसे आप सत्तारूढ़ दल कहते हैं, यह एक व्यापार है, और जहाँ व्यापार है, वहाँ भ्रष्टाचार है, जहाँ धर्म की यह सब बातें नहीं होती सत्तारूढ़ दल अगर धार्मिक आधार पर शासन करना चाहता है।

उत्तर—7. हमारा समाज पितृसत्तात्मक समाज है।

उत्तर—8. लिंग के आधार पर समाज में पुरुष एवं महिलाओं के बीच जो असमानता पाई जाती है। उसे लैगिंक असमानता कहते हैं।

उत्तर—9. जाति, धर्म और लिंग।

उत्तर—10. महिलाओं के साथ भेदभाव।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 218 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 222 पर देखिए।

उत्तर—3. रंगभेद का शाब्दिक अर्थ है रंगों में भेद यानी अन्तर करना जैसे कि अंग्रेजों के समय में अंग्रेज लोग रंग के आधार पर लोगों को अलग-अलग समझते थे। गोरे और काले रंग के आधार पर लोगों को बाँटते थे। इसलिए इसे रंगभेद कहा जाता है।

उत्तर—4. पृ.सं. 220 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 222 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 225 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 225 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. (i) अपनी बेटियों को शिक्षित करें।

(ii) उन्हें अपने कैरियर के लिए प्रोत्साहित करें।

(iii) उन्हें स्वतन्त्र और जिम्मेदार होना सिखाएँ।

(iv) अपनी बेटी के साथ बिना किसी भेदभाव के समानता का व्यवहार करें।

(v) दहेज देने या लेने की प्रथा को प्रोत्साहित न करें।

उत्तर—2. पृ.सं. 227 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 221 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 224 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 220 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 224 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 221 पर देखिए।

4 राजनीतिक दल [Political Parties]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. एक से अधिक राजनीतिक दलों को मिलाकर जो मन्त्रि-मण्डल या सरकार बनती है उसे मिश्रित या मिली-जुली सरकार कहते हैं।

उत्तर—2. शाहूजी महाराज, महात्मा फुले, पेरियार, रामास्वामी नायकर और बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर।

उत्तर—3. उदारतावाद, सामाजिक उदारवाद, सामाजिक लोकतन्त्र आर्थिक उदारवाद, धर्मनिरपेक्षता नागरिक राष्ट्रवाद।

उत्तर—4. राजनीतिक दल लोगों के ऐसे संगठित समूह हैं जो चुनाव लड़ने और राजनीतिक सत्ता हासिल करने के उद्देश्य से काम करते हैं। राजनैतिक क्रियाकलापों में दल के सदस्य मतदान करते या कराते हैं। चुनाव लड़ते या लड़ाते हैं, नीतियाँ एवं कार्यक्रम का निर्धारण करते हैं।

उत्तर—5. बहुदलीय प्रणाली एक ऐसी राजनीतिक व्यवस्था है जिसमें एक देश के अन्दर विभिन्न राजनीतिक पार्टियाँ चुनाव में भाग लेती हैं और जिस पार्टी को जनता का बहुमत प्राप्त होता है, उसकी सत्ता में सरकार होती है।

उत्तर—6. कोई दल चार अलग-अलग राज्यों में लोक सभा या विधान सभा चुनाव में कम से कम 6% मत पाये हों और लोक सभा में कम से कम 4 सीटें हासिल की हों।

उत्तर—7. (1) सामान्य निर्वाचकों का मत त्रुटिपूर्ण।

(2) सार्वजनिक शिक्षा का तर्क त्रुटिपूर्ण।

उत्तर—8. गठबन्धन सरकार एक संसदीय सरकार की कैबिनेट होती है, जिसमें कई राजनीतिक दल सहयोग करते हैं।

उत्तर—9. (1) सार्वजनिक शिक्षा का साधन।

(2) लोकतन्त्र के लिए आवश्यक।

(3) शासन के विभिन्न विभागों में समन्वय स्थापित करना।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 233 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 237 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 232 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 235 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 233 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 237 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 234 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 239 पर देखिए।

उत्तर—9. पृ.सं. 237 पर देखिए।

उत्तर—10. पृ.सं. 235 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 234 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 234 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 234 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 235 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 236-237 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 235-237 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 237 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 234 पर देखिए।

5 लोकतन्त्र के परिणाम [Results of Democracy]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. चुनाव के लिए पार्टीवाद तथा चुनावी नीति के बाद संसद एवं विधान सभाओं में पक्ष-विपक्ष की राजनीति ही लोकतन्त्र की सबसे बड़ी चिन्ता के रूप में सामने आई है।

उत्तर—2. केवल यही एक ऐसी शासन व्यवस्था है जिसमें सरकार जनता के चुनाव पर निर्भर करती है।

उत्तर—3. आर्थिक समानता का अर्थ हर व्यक्ति की उसकी पारिवारिक या आर्थिक स्थिति से है।

उत्तर—4. आर्थिक असमानता किसी व्यक्तियों के समूह आबादी के समूहों या देशों के बीच, स्थित आर्थिक अन्तर को दर्शाता है।

उत्तर—5. वे लोगों की जरूरतों और माँगों का ध्यान रखने वाली हों और कुल मिलाकर भ्रष्टाचार से मुक्त शासन दें।

उत्तर—6. प्राकृतिक संसाधन, पूँजी निर्माण तथा बाजार का आकार तीनों कारकों पर निर्भर करता है।

उत्तर—7. वैध शासन उस शासन को कहते हैं जो कानूनी रूप से लोगों के द्वारा चुनी जाती है।

उत्तर—8. तानाशाही व्यवस्था में निर्णय एक व्यक्ति लेता है जो किसी भी प्रकार का विरोध या सुझाव स्वीकार नहीं करता है।

उत्तर—9. लोकतन्त्र में बहस और मोलभाव के आधार पर काम होता है। इसलिए अक्सर फैसले लेने में देरी होती है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि एक लोकतान्त्रिक सरकार कम कुशल होती है।

उत्तर—10. सार्वजनिक मताधिकार और प्रतिनिधित्व सरकार है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 253 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 246 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 246 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 246 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 249 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 247 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 248 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 248 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 246 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 245 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 246 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 250 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 247 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 245-246 पर देखिए।

इकाई-4 : अर्थशास्त्र (आर्थिक विकास की समझ)

1 विकास [Development]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. लोग बराबरी का व्यवहार, स्वतन्त्रता, सुरक्षा और दूसरों से आदर मिलने की इच्छा रखते हैं।

उत्तर—2. लोगों के शैक्षिक स्तर, उनके स्वास्थ्य की स्थिति और प्रति व्यक्ति आय के आधार पर।

उत्तर—3. क्योंकि केरल में स्वास्थ्य और शिक्षा की मौलिक सुविधाएँ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

उत्तर—4. यह इस बात पर निर्भर करती है कि वह व्यक्ति विकास के किस चरण में है।

उत्तर—5. बच्चे का जन्म जितनी जल्दी होगा, उसके विकास में देरी की सम्भावना उतनी ही अधिक होगी।

उत्तर—6. शिक्षा मानव क्षमता में सुधार, पूँजी निर्माण और जिम्मेदार नागरिक तैयार करके किसी देश के राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उत्तर—7. राष्ट्र की प्राथमिकताओं के अनुसार देश के संसाधनों का विभिन्न प्रकार के विकास की क्रियाओं में प्रयोग करना आर्थिक नियोजन कहलाता है।

उत्तर—8. बिजली, परिवहन, संचार, बैंकिंग, स्कूल, कॉलेज, अस्पताल आदि देश के आर्थिक विकास का आधार हैं, उन्हें देश का आधारित संरचना (आधार भूत ढाँचा) कहा जाता है।

उत्तर—9. समावेशी विकास का अर्थ ऐसे विकास से लिया जाता है जिसमें रोजगार के अवसर पैदा हों तथा जो गरीबी को कम करने में मददगार साबित हो।

उत्तर—10. किसी देश की प्रति व्यक्ति आय की गणना देश की राष्ट्रीय आय को उसकी जनसंख्या से विभाजित करके की जाती है।

उत्तर—11. जीवन प्रत्याशा, शिक्षा और प्रति व्यक्ति आय।

उत्तर—12. मित्रों की भूमिका या नौकरी के लिए अच्छे वेतन के अतिरिक्त नियमित रोजगार, सुरक्षा की भावना, नियमित समय का भी महत्व होता है।

उत्तर—13. जीवन प्रत्याशा, शिशु मृत्यु दर और बुनियादी साक्षरता।

उत्तर—14. आय से तात्पर्य किसी व्यक्ति या व्यवसाय द्वारा वेतन, लाभ, ब्याज और निवेश सहित विभिन्न स्रोतों से अर्जित धन से है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 158 पर देखिए।

उत्तर—2. राष्ट्रीय आय से तात्पर्य एक निश्चित अवधि में देश की सीमाओं के भीतर उत्पादित सभी अन्तिम सेवाओं और वस्तुओं के कुल मूल्य से है।

उत्तर—3. किसी देश के निवासियों के स्वामित्व वाले उत्पादन के साधनों के द्वारा एक निश्चित अवधि में प्राप्त सभी अन्तिम उत्पादों और सेवाओं में कुल मूल्य का अनुमान।

उत्तर—4. पृ.सं. 261 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 260 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 264 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 261 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 261 पर देखिए।

उत्तर—9. पृ.सं. 257 पर देखिए।

उत्तर—10. पृ.सं. 257 पर देखिए।

उत्तर—11. पृ.सं. 257 पर देखिए।

उत्तर—12. पृ.सं. 257 पर देखिए।

उत्तर—13. पृ.सं. 260 पर देखिए।

उत्तर—14. पृ.सं. 257-258 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 259-260 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 257-258 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 257 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 267 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 260 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 267 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 263 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 264 पर देखिए।

2 भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक [Sectors of Indian Economy]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. मौसमी बेरोजगारी वह स्थिति है जिसमें विशेष मौसम में काम नहीं होने के फलस्वरूप श्रमिकों को रोजगार नहीं मिलता।

उत्तर—2. भूमि, श्रम और पूँजी है।

उत्तर—3. ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें उत्पादन के सभी साधनों पर निजी व्यक्तियों का अधिकार और नियन्त्रण होता है तथा सभी आर्थिक क्रियाएँ, निजी हित एवं लाभ लिया जाता है, इसमें सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता उसे पूँजीवादी अर्थव्यवस्था कहा जाता है।

उत्तर—4. समाजवादी अर्थव्यवस्था एक नई आर्थिक व्यवस्था है। इसके अन्तर्गत उत्पादन के सभी साधन राज्य अथवा सरकार के अधीन होते हैं तथा उन पर राज्य का स्वामित्व और नियन्त्रण होता है। इस व्यवस्था में अधिकतम सामाजिक कल्याण के उद्देश्य से वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन किया जाता है।

उत्तर—5. आधारभूत संरचना उस संरचना को कहते हैं जो किसी समाज या उसमें स्थापित उद्योग को सुचारू रूप से चलने के लिए आवश्यक एवं मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराती है।

उत्तर—6. किसी देश की आर्थिक उन्नति आर्थिक आधार भूत संरचना के विकास पर निर्भर करती है।

उत्तर—7. उस क्रिया को आर्थिक क्रिया कहते हैं जिनका सम्बन्ध आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करने के लिए सीमित साधनों के उपयोग से होता है।

उत्तर—8. आर्थिक नियोजन का अर्थ राष्ट्र प्राथमिकताओं के अनुसार देश के संसाधनों का विभिन्न विकासात्मक क्रियाओं में प्रयोग करना है। इसका मुख्य उद्देश्य विकास की दर को बढ़ाना, कृषि व उद्योग का आधुनिकीकरण, आत्मनिर्भर व सामाजिक न्याय है।

उत्तर—9. ऐसे उद्योग जो कृषि के उत्पादन पर आश्रित होते हैं, अथवा जिनके उत्पादन में कृषि क्षेत्र से कच्चा माल आता है, उसे कृषि जनित उद्योग कहते हैं।

उत्तर—10. सार्वजनिक वितरण प्रणाली एक सरकारी-विनियमित राशन की दुकान है जो देश में खाद्य निगम के माध्यम से किसानों से प्राप्त अनाज वितरित करती है।

उत्तर—11. यह आर्थिक विकास की प्रक्रिया है जिसका उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों तथा पर्यावरण में बिना किसी हानि के वर्तमान तथा भविष्य की पीढ़ियों दोनों के जीवन की गुणवत्ता बनाए रखना है।

उत्तर—12. समावेशी विकास वह आर्थिक विकास है जो रोजगार के अवसर प्रदान करता है और गरीबी को कम करता है।

उत्तर—13. "सतत विकास वह विकास है जो भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है।"

उत्तर—14. योजना आयोग ने कैलोरी मान के आधार पर गरीबी रेखा का निर्धारण किया है। इसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में 2400 कैलोरी प्रति व्यक्ति प्रतिदिन तथा शहरी क्षेत्रों में 2100 कैलोरी से कम प्राप्त करने वाले को गरीब माना गया।

उत्तर—15. जीवन प्रत्याशा, शिशु मृत्यु दर और बुनियादी साक्षरता।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 276 पर देखिए।
उत्तर—2. पृ.सं. 276 पर देखिए।
उत्तर—3. पृ.सं. 276 पर देखिए।
उत्तर—4. पृ.सं. 272 पर देखिए।
उत्तर—5. पृ.सं. 275 पर देखिए।
उत्तर—6. पृ.सं. 274 पर देखिए।
उत्तर—7. पृ.सं. 272 पर देखिए।
उत्तर—8. पृ.सं. 272 पर देखिए।
उत्तर—9. पृ.सं. 272 पर देखिए।
उत्तर—10. पृ.सं. 273 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 271-272 पर देखिए।
उत्तर—2. पृ.सं. 287 तथा 269 पर देखिए।
उत्तर—3. पृ.सं. 277 पर देखिए।
उत्तर—4. पृ.सं. 275 पर देखिए।
उत्तर—5. पृ.सं. 273-274 पर देखिए।
उत्तर—6. पृ.सं. 271-272 पर देखिए।
उत्तर—7. पृ.सं. 288 पर देखिए।
उत्तर—8. पृ.सं. 271-274 पर देखिए।
उत्तर—9. पृ.सं. 287 पर देखिए।
उत्तर—10. पृ.सं. 279 पर देखिए।

3 मुद्रा और साख [Money and Credit]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. स्वयं सहायता समूह ग्रामीण लोगों का एक ऐसा छोटा समूह होता है। जिनके सदस्यों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति समान होती है। ये सामूहिक प्रयास से अपनी जीवन दशा को बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं।

उत्तर—2. ऋणाधार—यह ऐसी सम्पत्ति है जिसका मालिक कर्जदार है (जैसे कि भूमि, इमारत, गाड़ी, पशु, बैंकों में पूँजी) और इसका इस्तेमाल वह उधारदाता को गारन्टी देने के रूप में करता है, तब तक कि ऋण का भुगतान नहीं होता।

उत्तर—3. (1) औपचारिक ऋण के स्रोत से ऋण लेने पर शोषण नहीं होता।

(2) इनका ब्याज दर निश्चित नहीं होता जबकि—(i) अनौपचारिक ऋण के स्रोतों से ऋण लेने पर शोषण होता है। (ii) इसका ब्याज दर निश्चित होता है।

उत्तर—4. (1) गरीबों में बचत करने की क्षमता होती है।

(2) गरीबों को बैंक के द्वारा सुविधा दी जा सकती है।

उत्तर—5. एक व्यक्ति अपनी उत्पादित वस्तु को मुद्रा के बदले बेचकर इसका उपयोग अपनी जरूरत की वस्तु, को खरीदने में कर सकता है उसे वस्तु मुद्रा कहते हैं। तथा एक निश्चित आकार प्रकार एवं तोल वाली मुद्रा जिस पर राज्य का वैधानिक चिन्ह अंकित होता है, धातु-मुद्रा व धात्विक मुद्रा कहलाती है।

उत्तर—6. चूँकि मुद्रा किसी देश की राष्ट्रीय आय से प्रतिव्यक्ति आय की माप होती है। इस तरह मुद्रा कल्याण में मदद करती है।

उत्तर—7. वस्तु विनियम प्रणाली में विनियम की क्रिया या आदान-प्रदान की क्रिया वस्तुओं के माध्यम से किया जाता है। दूसरे शब्दों में किसी एक वस्तु का किसी दूसरी वस्तु के साथ बिना किसी मुद्रा के सीधे रूप से देनदेन को वस्तु विनिमय प्रणाली कहा जाता है। जैसे गेहूँ देकर चावल लेना।

उत्तर—8. वस्तु विनिमय की प्रणाली की मुख्य समस्या थी कि कोई ऐसा व्यक्ति मिले, जो एक व्यक्ति द्वारा उत्पादित वस्तु को स्वीकार करे एवं बदले में उसी आवश्यकता की वस्तु को उपलब्ध कराए।

उत्तर—9. विनिमय बिल एक लिखित आदेश है जिसका उपयोग मुख्य रूप से अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में किया जाता है जो एक पक्ष को दूसरे पक्ष की माँग पर या पूर्व निर्धारित तिथि पर एक निश्चित राशि का भुगतान करने के लिए बाध्य करता है।

उत्तर—10. उपभोग वह क्रिया है जिसके द्वारा अपनी आवश्यकताओं की प्रत्यक्ष सन्तुष्टि के लिए वस्तुओं तथा सेवाओं के उपयोगिता मूल्य का प्रयोग होता है।

उत्तर—11. अर्थशास्त्र में साख का मतलब ऋण लौटने या भुगतान करने की क्षमता में विश्वास से होता है।

उत्तर—12. बैंक ड्राफ्ट एक भुगतान साधन है जिसमें आपके वित्तीय संस्थान से धन की गारंटी होती है।

उत्तर—13. क्रेडिट कार्ड आपको पूर्व निर्धारित सीमा के अधीन कार्ड जारीकर्त्ता से पैसे उधार लेने में सक्षम बनाता है, जिसका उपयोग आप सामान के भुगतान या नकदी निकालने के लिए कर सकते हैं जबकि डेबिट कार्ड आपको खरीदारी करने के लिए अपने बैंक खाते में मौजूद धनराशि का उपयोग करने की अनुमति देते हैं।

उत्तर—14. किसानों को उपकरण खरीदने, श्रम के लिए भुगतान करने और नकदी प्रवाह का प्रबन्धन करने के लिए साख अथवा ऋण की आवश्यकता होती है।

उत्तर—15. साख के पक्ष—साहूकार, व्यापारी, नियोक्ता, रिश्तेदार तथा मित्र।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 294-295 पर देखिए।
उत्तर—2. पृ.सं. 295 पर देखिए।
उत्तर—3. पृ.सं. 292 पर देखिए।
उत्तर—4. पृ.सं. 292 पर देखिए।
उत्तर—5. पृ.सं. 300 पर देखिए।
उत्तर—6. पृ.सं. 292-293 पर देखिए।
उत्तर—7. पृ.सं. 292 पर देखिए।
उत्तर—8. पृ.सं. 298 पर देखिए।
उत्तर—9. पृ.सं. 300 पर देखिए।
उत्तर—10. पृ.सं. 294 पर देखिए।
उत्तर—11. पृ.सं. 297-298 पर देखिए।
उत्तर—12. पृ.सं. 302 पर देखिए।
उत्तर—13. पृ.सं. 296 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. बैंक एक ऐसी संस्था है। जिसका प्राथमिक कार्य ग्राहकों को ऋण सेवाएँ प्रदान करने के साथ-साथ जमा धन का भण्डारण करना है। आगे का उत्तर पृ.सं. 297-298 पर देखिए।
उत्तर—2. पृ.सं. 291-292 पर देखिए।
उत्तर—3. पृ.सं. 291 पर देखिए।
उत्तर—4. पृ.सं. 298 पर देखिए।
उत्तर—5. पृ.सं. 292-293 पर देखिए।
उत्तर—6. पृ.सं. 297-298 पर देखिए।

4 वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था विकास [Globalisation and the Indian Economy]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. उत्पादक उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए कम कीमत, गुणवत्ता में सुधार तथा बाजार में उत्पाद की उपलब्धता का ध्यान रखेगा।

उत्तर—2. देश के धनी प्रभावशील लोगों के साथ-साथ देश के सभी लोगों के हितों का संरक्षण करना चाहिए तथा श्रम कानूनों को ठीक से लागू करना चाहिए।

उत्तर—3. वैश्वीकरण को बढ़ावा देने वाले कारक—(1) व्यापार, (2) काम की तलाश में एक देश से दूसरे देश में लोगों का पलायन, (3) पूँजी या सेवाओं का वैश्विक स्तर पर आवाजाही।

उत्तर—4. आइटी सेक्टर, टेलीकॉम सेक्टर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उत्पादन में।

उत्तर—5. विश्व व्यापार संगठन ने।

उत्तर—6. संयुक्त उत्पाद दो या दो से अधिक उत्पाद हैं जो एक ही उत्पादन प्रक्रिया के भीतर उत्पन्न होते हैं।

उत्तर—7. विदेश व्यापार से तात्पर्य देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं की खरीद और बिक्री से है। विदेशी निवेश से तात्पर्य किसी व्यक्ति या व्यवसाय द्वारा किसी विदेशी देश में स्टॉक और रियल एस्टेट जैसी सम्पत्तियों की खरीद से है।

उत्तर—8. व्यापार अवरोध अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर सरकार द्वारा प्रेरित प्रतिबन्ध है।

उत्तर—9. राष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा किया गया निवेश देशी निवेश कहलाता है।

उत्तर—10. एल. पी. जी. की नीति आर्थिक नीति है। जिसे उदारीकरण, निजीकरण और मॉडल के रूप में जाना जाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 315 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 310 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 307-308 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 307-308 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 313 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 307 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 308 पर देखिए।

उत्तर—8. पृ.सं. 318 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 312-313 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 318 पर देखिए।

उत्तर—3. निजीकरण का अर्थ है निजी संस्थाओं की शक्ति में वृद्धि तथा सार्वजनिक संस्थाओं की शक्ति में कमी तथा उदारीकरण का अर्थ निजी क्षेत्रों से सीमाओं को हटाना है क्योंकि वे किसी राष्ट्र के विकास और प्रगति में बाधा बनते हैं।

उत्तर—4. पृ.सं. 310 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 307 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 310-312 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 314 पर देखिए।

5 उपभोक्ता अधिकार [Consumer Rights]

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. उपभोक्ता शिकायतों का शीघ्र निवारण करें और उपभोक्ताओं के बेईमान शोषण को समाप्त करें।

उत्तर—2. कोपरा कानून उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम है। कोपरा कानून ग्राहकों के मूल्यों का संरक्षण करता है। यह अधिनियम सन् 1986 में बनाया गया था।

उत्तर—3. क्षतिपूर्ति निवारण का अधिकार।

उत्तर—4. मानकीकरण एक उद्योग के भीतर मानक आधारित और संगत प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, बढ़ावा देने और सम्भवत: अनिवार्य करने की प्रक्रिया है।

उत्तर—5. उपभोक्ता उस व्यक्ति को कहते हैं, जो विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं का या तो उपभोग करता है अथवा उनको उपयोग में लाता है।

उत्तर—6. उपभोक्ता का अधिकार है कि वह किसी भी वस्तु, सामान और सेवाओं के विपणन से सुरक्षित रहे जो उन्हें नुकसान पहुँचाने के हित में हो।

उत्तर—7. उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर विभिन्न उत्पादों, वस्तुओं या सेवाओं तक पहुँचने का अधिकार देता है।

उत्तर—8. उपभोक्ता जो खरीद रहे हैं उसके बारे में सब कुछ पता होना चाहिए जिसमें उसकी गुणवत्ता, मात्रा, ताकत, शुद्धता मानक और कीमत भी शामिल है।

उत्तर—9. उपभोक्ता को शारीरिक पर्यावरणीय तथा अन्य खतरों से रूबरू होना पड़ता है परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं को उनके द्वारा खर्च किए गए पैसे का सही मूल्य नहीं मिल पाता है।

उत्तर—10. सामान में खराबी अथवा सेवा में कमी को दूर करना? दोषपूर्ण उत्पाद को बिना किसी दोष वाले नए उत्पाद में बदलना।

लघु उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 335 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 331 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 330 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 325 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 325 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 331 पर देखिए।

उत्तर—7. पृ.सं. 331 पर देखिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

उत्तर—1. पृ.सं. 325 पर देखिए।

उत्तर—2. पृ.सं. 331 पर देखिए।

उत्तर—3. पृ.सं. 328 पर देखिए।

उत्तर—4. पृ.सं. 324 पर देखिए।

उत्तर—5. पृ.सं. 331-332 पर देखिए।

उत्तर—6. पृ.सं. 331 पर देखिए।

❑